प्रश्न– भारतीय समुद्र तट आपराधिक गतिविधियों की शरणस्थली रहा है। इस कथन का परीक्षण करते हुए भारतीय समुद्र तटीय सुरक्षा प्रबंधन का मूल्यांकन करें एवं इसके लिये नवाचारी उपाय बतायें।

(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें–

- समुद्र तटीय सीमा विस्तार को बताते हुए इसकी प्रकृति व आकार को स्पष्ट करें।

विषय वस्तु के लिये निम्न बातों पर चर्चा करें–

⇨ **प्रथम पैरा में समुद्र तट की प्रकृति व आकार को विश्लेषित करते हुए आपराधिक गतिविधियों की संभावनाओं को बतायें, जिसमें–**

- भारतीय समुद्र तट का निर्जन द्वीपों, मैंग्रोव वनों के साथ खाड़ियों, नदियों और नालियों से बहुत कटा-फटा होना,
- जलीय क्षेत्रों का स्थलीय क्षेत्रों में अंदर तक आना, जिससे घुसपैठ तथा अवैध तस्करी को प्रोत्साहन मिलता है।
- कई उच्च मूल्य के लक्ष्यों जैसे–तेल रिफाइनरी, परमाणु सयंत्र, अंतरिक्ष केन्द्रों, बंदरगाहों तथा नौसैनिक अड्डों का समुद्रतटीय क्षेत्रों में स्थित होना, जिससे इनका आतंकवादियों द्वारा आसानी से लक्ष्य करना,
- हाल की घटनाओं जैसे 2003 तथा 2008 के मुंबई हमलों में आतंकियों का समुद्री रास्ते से आना, आदि पर चर्चा करें।

⇨ **द्वितीय पैरा में प्रथम पैरा की बात को जारी रखते हुए समुद्र तटीय सुरक्षा प्रबंधन का मूल्यांकन करते हुए नवाचारी उपायों को बतायें–**

- तटीय पुलिस, भारतीय तट रक्षक बल तथा भारतीय नौ-सेना के समुद्रीय सुरक्षा के क्षेत्राधिकार को बतायें।
- तटीय सुरक्षा योजना के अंतर्गत संबंधित मुद्दों के समाधान के लिये तंत्र की स्थापना,
- मछली पकड़ने वाली नौकाओं की जीपीएस तंत्र से निगरानी करना,

नवाचारी उपायों के अंतर्गत–

- तटीय सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाना,
- मछुवारों को एक समान लाइसेंसिंग।
- पहचान और ट्रैकिंग के लिये पंजीकृत नौकाओं पर ट्रांसपोंडर एवं जीपीएस लगाना।
- सभी बंदरगाहों पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कमांडों की तैनाती, आदि।

अंत में संक्षिप्त, संतुलित व सारगर्भित निष्कर्ष दें।

नोट:– प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते है।